(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI A. A. RAHIM): (a) No Sir.

(b) Does not arise.

National rural employment programme in Orissa

603. SHRI SANTOSH KUMAR SAHU: Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the quantum of foodgrains allocated to Orissa under NREP for the year 1982-83;

(b) the quantum of foodgrains released so far;

(c) whether the Orissa Government has requested for the supply of more foodgrains under the programme for the current financial year; and

(d) if so, what action the Central Government have taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (SHRI HARI NATH MISHRA): (a) A quantity of 17,300 MTs of foodgrains has been allocated to Orissa for utilisation under NREP during the current year. Another quantity of 11,222 MTs was available with the State Government as unutilised balance on 1-4-82 from the previous year. In addition, a quantity of 735 MTs was revalidated out of the quantity released last year which could not be lifted by the State by end of March, 1982. As such, the total quantity of foodgrains allocated made available to the States comes to 29,257 MTs.

(b) Entire quantity allocated to Orissa during the current year has been released.

(c) No, Sir.

(d) Question does not arise.

मध्य प्रदेश में समेकित ग्रामीण विकास कार्यक्रम

604. श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: क्या ग्रामीण विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनवरी, 1983 में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का जायजा लेने हेतु एक केन्द्रीय दल मध्य प्रदेश गया था, यदि हां, तो दल ने किस-किस जिले के ग्रामीणों और कृषकों से भेंट की तथा दल की मध्य प्रदेश में ग्रामीण विकास कार्यक्रम में प्रगति के संबंध में क्या रिपोर्ट है ; और

(ख) क्या कृषकों ने बैंकों से ऋण प्राप्त करने में भ्रष्टाचार के संबंध में इस दल से कोई शिकायत की थी, यदि हां, तो शिकायत पर क्या कार्यवाही की गई ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरि नाथ मिश्र) : (क) जी हां । अधिकारियों के एक केन्द्रीय दल ने समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिए ऋण जुटाने के बारे में अध्ययन करने हेतु जनवरी, 1983 में मध्य प्रदेश का दौरा किया था । इस दल ने भोपाल, रायसीन तथा विदीशा जिलों में कुछ गांवों का दौरा किया था । दल ने समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिये ऋण जुटाने से संबंधित कुछ समस्याओं का पता लगाया है ।

(ख) इस दल को होशंगाबाद में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की दीवानगंज शाखा के कार्यकरण में कुछ तथाकथित अनियमितताओं का उल्लेख किया गया था । क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष ने इस शाखा के कार्यकरण की जांच करने के लिए अनुरोध किया था ।